29.07.24

Tendex Heart High School, Sector - 33 - B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

विषय - हिन्दी सुलेख शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरल हिन्दी सुलेख भाग-3

प्यारे बच्चो !

आप अपनी पुस्तक सरल हिन्दी सुलेख में बताए निर्देश अनुसार अभ्यास कर रहे होंगे। इस कार्य का अभ्यास सभी विद्यार्थियों के लिए करना आवश्यक है। अभ्यास करते समय इस बात का ध्यान रखें कि शब्द या अक्षर समान आकार में ही हों। अक्षरों व शब्दों की दूरी भी निश्चित होनी चाहिए। शब्द इस प्रकार लिखे हों कि साफ़ समझ में आ जाएँ। शब्दों के ऊपर दी जाने वाली शिरोरेखा को हमेशा सीधा ही खींचे। गोल आकार के शब्दों को गोल ही लिखें। आपके निरंतर अभ्यास करते रहने से लिखाई सुन्दर बन सकती है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अभ्यास करते समय आप इस कार्य को रुचि से करें।

अध्यापिका द्वारा आपको सरल हिन्दी सुलेख में अभ्यास करने के साथ-साथ अलग से एक उत्तर-पुस्तिका में भी अभ्यास करने के लिए दिया जा रहा है। पिछले सप्ताह आपको 'ऋ' वर्ण एवं 'ऋ' वर्ण से बने चार शब्द अभ्यास में करने के लिए दिए गए थे। इस सप्ताह आपको गृहकार्य के साथ 'ए' का अभ्यास तथा 'ए' वर्ण से बने केवल चार शब्दों

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

का अभ्यास करेंगे। सभी विद्यार्थी सुलेख का अभ्यास बोल - बोल कर ही करेंगे।

1. एड़ी 2. एक

3. एकतारा 4. एकलव्य

सभी विद्यार्थी इस प्रकार के अभ्यास से अपनी लिखाई में सुधार कर सकते हैं। अभ्यास करते समय अक्षरों की बनावट का विशेष रूप से ध्यान रखना ज़रूरी है।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या 12 को 'सरल हिन्दी सुलेख' की पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखते समय अध्यापिका द्वारा बताई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखेंगे।

धन्यवाद !

दुष्ट की संगति कभी मत करो।

दुष्ट की संगति कभी मत करो।

दूर के ढोल सुहावने लगते हैं।

दूर के ढोल सुहावने लगते हैं।

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....